MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:13 SEPTEMBER. 2025

ब्रिटन और श्रीलंका के हिंदी विद्वान अरुण कुमार पाण्डेय करेंगे। करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि नशे सुव्यवस्थित संचालन की नियमित

संगोष्ठी | एमसीयू के शोध आयाम की संगोष्ठी में डॉ. माया इंगले ने कहा...

नए आयाम खोलते हैं स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ द्वारा प्रतिपादित सूत्र

- कंप्यूटर विज्ञान में भारतीय प्रणाली की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी आयोजित

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ द्वारा प्रतिपादित 16 सूत्र और उपसूत्र आज की डिजिटल दुनिया में नए आयाम खोलते हैं। यह कहना है दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र की पूर्व निदेशक डॉ. माया इंगले का। वह माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय शोध आयाम (मध्य भारत प्रांत, प्रज्ञा प्रवाह) के तत्वावधान में हुई संगोष्ठी में बोल रही थी। यह कंप्यूटर विज्ञान में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित की गई थी।

जहां डॉ. माया इंगले ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अध्यात्म या दर्शन तक सीमित नहीं रही, बल्कि गणित, भाषाविज्ञान, तर्कशास्त्र, चिकित्सा एवं खगोल विज्ञान जैसे विविध क्षेत्रों में भी उसका अमूल्य योगदान रहा है।

उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि पाणिनी की अष्टाध्यायी आधुनिक कम्पाइलर डिज़ाइन और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण की जहां आधारशिला है।

वहीं पिंगलाचार्य का छंदसूत्र बाइनरी संख्याओं और एल्गोरिद्म की प्रारंभिक अवधारणाओं को प्रस्तुत करने वाला है। इतना ही नहीं महावीर और भास्कराचार्य जैसे गणितज्ञों के सूत्र आज भी क्रमचय-संचय और प्रायिकता सिद्धांत में न केवल उपयोगी है बल्कि, वैदिक गणित उच्च गति वाले गणनात्मक कार्यों, क्रिप्टोग्राफी और एल्गोरिद्म डिज़ाइन में अत्यंत प्रासंगिक भी है।

शोध नवाचार में प्रेरक है भारतीय ज्ञान परंपरा

यहां बताया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय ज्ञान प्रणाली को शिक्षा और अनुसंधान के हर स्तर पर समाहित करने पर विशेष बल देती है। भारतीय परंपरा, जो ज्ञान (ज्ञान), प्रज्ञा (बुद्धिमत्ता) और सत्य (सत्य की खोज) को सर्वोच्च मानती है, आज भी शोध और नवाचार की प्रेरणा है। इस दौरान संगोष्ठी में उपस्थित विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं प्राध्यापकों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को स्वर्ण भंडार बताते हुए इसे आधुनिक शिक्षा और शोध में पुन: स्थापित करने का संकल्प लिया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'13 SEPTEMBER.2025

पत्रकारिता विवि में मना हिंदी दिवस

भोपाल। हिंदी सौहार्द्र की भाषा है। यह राष्ट्रीय एकता की सबसे अच्छी कड़ी बन सकती है। इस तरह के विचार शुक्रवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्री पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सुनाई दिये। अवसर था विवि के पत्रकारिता विभाग में आयोजित हिंदी दिवस कार्यक्रम का। कायक्रम की शुरुआत छात्रों द्वारा हिंदी भाषा के महत्व पर विचार प्रस्तुत करने से हुई। विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी कविताओं, लघु कथाओं और शोधपत्रों के माध्यम से हिंदी की संवेदनशीलता, विविधता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उत्सव के दौरान प्रस्तुत किए गए रचनात्मक योगदानों ने न केवल भाषा के सौंदर्य को उजागर किया बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकारों को भी सामने रखा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा सृष्टि कुमारी का हिंदी पर विशेष शोध, जिसमें उन्होंने हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर सारगर्भित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTY'13 SEPTEMBER.2025

आयोजन

एमसीयू के विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा किया गया कार्यशाला का आयोजन

लिंक्डइन आधुनिक जनसंपर्क का सशक्त उपकरण : तनुष्का सिंह

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

आज के डिजिटल युग में जनसंपर्क केवल सूचना साझा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह धारणा निर्माण, निवेशकों के साथ बेहतर संबंध तथा व्यक्तिगत ब्रांडिंग का एक अहम साधन बन चुका है। पीआर केवल मीडिया कवरेज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विभिन्न टूल्स के माध्यम से एक संगठन, प्रोडक्ट या व्यक्ति की सकारात्मक छवि गढने का प्रयास है। किसी भी ब्रांड या संगठन की साख, उसकी विश्वसनीयता को स्थापित करने में लिंक्डइन जैसे नेटवर्क की भूमिका बहुत अहम है। एमसीयू के विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग में लिंक्डइन एज ए टूल ऑफ पीआर, विषय पर आयोजित एक विशेष कार्यशाला में एडीजी क्राफ्ट कम्युनिकेशन, नोएडा की सीनियर लिंक्डइन कंटेंट स्ट्रेटिजिस्ट तनुष्का सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा। उन्होंने जनसंपर्क की अवधारणा को समझाते हुए कहा कि लिंक्डइन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पेशेवर नेटवर्किंग के जरिए स्थायी और सार्थक संबंध स्थापित किए जा सकते हैं।

निवेशकों को सही जानकारी देने में लिंक्डइरन अहम मंच

निवेशकों तक सटीक और पारदर्शी जानकारी पहुँचाने में लिंक्डइन एक अहम मंच है। कॉर्पोरेट जगत और व्यक्तिगत स्तर पर विश्वसनीय पहचान बनाने का यह अनूठा साधन है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लिंक्डइन प्रोफाइल को केवल रिज़्यूमे के रूप में नहीं बल्कि स्वयं के ब्रांड के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा किलिंक्डइन केवल नौकरी खोजने का प्लेटफ़ॉर्म नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा पीआर टूल है जो व्यक्ति और संगठन दोनों के लिए ब्रांड निर्माण, निवेशक संबंध और धारणा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कार्यशाला के प्रतिभागियों को लिंक्डइन अकाउंट को बेहतर बनाने के टिप्स भी दिए।

लिंक्डइन के माध्यम से छात्रों को मिल सकते है रोजगार के अवसर

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पवित्र श्रीवास्तव ने बताया कि लिंकडइन अकादमिक संस्थानों को उद्योग जगत से जोडने का एक सशक्त मंच है। छात्र इसके माध्यम से इंटर्नशिप ट्रेनिंग और रोजगार के विभिन्न अवसरों को प्राप्त कर सकते हैं। लिंक्डइन व्यावसायिक जगत में काफी उपयोगी बनता जा रहा है और सशक्त जनसम्पर्क एक माध्यम बन गया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जया सुरजानी ने किया। इस आयोजन में विभागाध्यक्ष विज्ञापन एवं जनसम्पर्क विभाग प्रो. पवित्र श्रीवास्तव, एडजंक्ट प्रोफेसर स्मृति जोशी, डॉ. गजेंद्र अवास्या, डॉ. जया सुरजानी, डॉ.निकिता चौहान तुषार भोंसले, नेहा मौर्य, सागर सेन, शुभम कुशवाह, सोनाली राय एवं विज्ञापन एवं जनसम्पर्क विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन डॉ. दीपिका सक्सेना ने किया ।

कंप्यूटर विज्ञान में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता विषय पर हुई विशेष संगोष्ठी

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में आज शोध आयाम (मध्य भारत प्रांत, प्रज्ञा प्रवाह) के तत्वावधान में कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता विषय पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वरिष्ठ संकाय सदस्य एवं दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र की पूर्व निदेशक डॉ. माया इंगले ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

वक्ताओं ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में भारत क्यों आगे है

भारत केवल अध्यात्म ही नहीं गणित, चिकित्सा और खगोल विज्ञान में भी आगे है डॉ. इंगले ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अध्यात्म या दर्शन तक सीमित नहीं रही, बल्कि गणित, भाषाविज्ञान, तर्कशास्त्र, चिकित्सा एवं खगोल विज्ञान जैसे विविध क्षेत्रों में भी उसका अमूल्य योगदान रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि पाणिनी की अष्टाध्यायी आधुनिक कम्पाइलर डिजाइन और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण की आधारशिला है। पिंगलाचार्य का छंद सूत्र बाइनरी संख्याओं और एल्गोरिद्म की प्रारंभिक अवधारणाओं को प्रस्तुत करता है। महावीर और भास्कराचार्य जैसे गणितज्ञों के सूत्र आज भी क्रमचय-संचय और प्रायिकता सिद्धांत में उपयोगी हैं। वैदिक गणित उच्च गति वाले गणनात्मक कार्यों, क्रिप्टोग्राफी और एल्गोरिद्म डिज़ाइन में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ द्वारा प्रतिपादित 16 सूत्र और उपसूत्र आज की डिजिटल दुनिया में नए आयाम खोलते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसंधान के हर स्तर पर समाहित करने का बल देती है कार्यक्रम में यह रेखांकित किया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय ज्ञान प्रणाली को शिक्षा और अनुसंधान के हर स्तर पर समाहित करने पर विशेष बल देती है। भारतीय परंपरा, जो ज्ञान (ज्ञान), प्रज्ञा (बुद्धिमत्ता) और सत्य (सत्य की खोज) को सर्वोच्च मानती है, आज भी शोध और नवाचार की प्रेरणा है। संगोष्ठी में उपस्थित विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं प्राध्यापकों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को स्वर्ण भंडार बताते हुए इसे आधुनिक शिक्षा और शोध में पुन: स्थापित करने का संकल्प लिया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTY'13 SEPTEMBER.2025

लिंक्डइन आधुनिक जनसंपर्क का सशक्त उपकरण : तनुष्का

● भोपाल / राज न्यूज नेटवर्क

एमसीयू में कार्यशाला का हुआ आयोजन

लिंक्डइन अब केवल नौकरी खोजने का मंच नहीं है, बल्कि यह आधुनिक जनसंपर्क का सशक्त उपकरण है, जो व्यक्ति और संगठन दोनों के लिए ब्रांड निर्माण, निवेशक संबंध और धारणा प्रबंधन में अहम भूमिका निभाता है। यह विचार एडीजी क्राफ्ट कम्युनिकेशन, नोएडा की सीनियर लिंक्डइन कंटेंट स्ट्रेटिजिस्ट तनुष्का सिंह ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लिंक्डइन के माध्यम से पेशेवर नेटवर्किंग द्वारा स्थायी और सार्थक संबंध स्थापित किए जा सकते हैं तथा पारदर्शी जानकारी के जरिए निवेशकों तक विश्वसनीय संदेश पहुंचाया जा सकता है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने सलाह दी कि वे अपनी प्रोफाइल को केवल रिज़्यूमे तक सीमित न रखें, बल्कि उसे व्यक्तिगत ब्रांड के रूप में प्रस्तुत करें। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग में आयोजित इस कार्यशाला में विभागाध्यक्ष प्रो. पवित्र श्रीवास्तव ने कहा कि लिंक्डइन अकादमिक संस्थानों को उद्योग जगत से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन रहा है। उन्होंने बताया कि छात्र इस प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से इंटर्नशिप, ट्रेनिंग और रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं, जिससे यह व्यावसायिक जगत और शैक्षणिक जगत के बीच सेतु का कार्य कर रहा है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'RAJ EXPRESS'13 SEPTEMBER.2025

'किताबी मस्ती' को मिला सर्वश्रेष्ठ फिल्म का सम्मान

- एमसीयू के छात्र व फिल्मकार विजय बोडखे की उपलब्धि
- कोलकाता में आयोजित फेस्ट में चमकी भोपाल की प्रतिभा

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के सिनेमा स्टडीज विभाग के छात्र और युवा फिल्मकार विजय बोडखे की फिल्म 'किताबी मस्ती' को कोलकाता में आयोजित फेस्ट पांचवें अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में ''बेस्ट फिल्म इन बिबलियोग्राफी'' का सम्मान मिला।

फिल्म महोत्सव में 69 देशों की 550 फिल्मों में से केवल 30 फिल्मों का चयन प्रदर्शन के लिए हुआ था। फिल्म का निर्देशन विजय बोडखे ने अपने साथियों के साथ मिलकर किया। दिव्यांशी बुंदेला ने एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में योगदान दिया, जबकि हर्ष थोराट, आयुष चतुर्वेदी, दीपेश पालीवाल, प्रकाश कटरे और अंशुल यावले ने कैमरे की जिम्मेदारी संभाली।

सच्ची घटना पर आधारित कहानी : यह फिल्म भोपाल की झुग्गी बस्ती में रहने वाली मुस्कान अहिरवार की जिंदगी पर आधारित है। मुस्कान ने नौ साल की उम्र में अपने मोहल्ले में बाल पुस्तकालय शुरू किया और बच्चों को निशुल्क पढ़ाना शुरू किया। उनकी यह पहल शिक्षा के जरिए समाज में सकारात्मक बदलाव की मिसाल बनी। मुस्कान को इस कार्य के लिए नीति आयोग और मध्यप्रदेश सरकार सहित कई संस्थाओं से सम्मान मिल चुका है। निर्देशक विजय बोडखे ने कहा कि इस फिल्म के जरिए मैंने यह संदेश देने की कोशिश की है कि बदलाव की शुरुआत किसी भी उम्र से हो सकती है।

किताब मस्ती का पोस्टर। ● सौ : आयोजक

मुस्कान की कहानी शिक्षा की शक्ति और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का प्रेरक उदाहरण है। इससे पहले भी 'किताबी मस्ती' कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में सम्मानित हो चुकी है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'13 SEPTEMBER.2025

'किताबी मस्ती' को फेस्ट 5 अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का सम्मान

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के सिनेमा स्टडीज विभाग के छात्र और युवा फिल्मकार विजय बोडखे की फिल्म 'किताबी मस्ती' ने

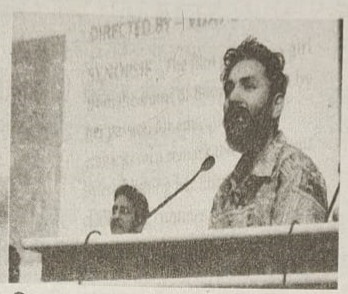

कोलकाता में आयोजित फेस्ट 5 अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव बेस्ट फिल्म इन बिबलियोग्राफी का पुरस्कार प्राप्त किया। इस महोत्सव में 69 देशों की 550 फिल्मों में से केवल 30 फिल्मों का चयन प्रदर्शन के लिए किया गया था। फिल्म का निर्देशन विजय बोडखे ने अपने साथियों के साथ मिलकर किया। इसमें दिव्यांशी बुंदेला ने एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में योगदान दिया, जबकि हर्ष थोराट, आयुष चतुर्वेदी, दीपेश पालीवाल, प्रकाश कटरे और अंशुल यावले ने कैमरामैन के रूप में कार्य किया। निर्देशक विजय बोडखे का कहना है, "इस फिल्म के माध्यम से मैंने यह संदेश देने की कोशिश की है कि बदलाव की शुरुआत किसी भी उम्र से हो सकती है। मुस्कान की कहानी शिक्षा की शक्ति और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का प्रेरक उदाहरण है।" 'किताबी मस्ती' भोपाल की झुग्गी बस्ती में रहने वाली मुस्कान अहिरवार की सच्ची कहानी पर आधारित है। मुस्कान ने मात्र नौ वर्ष की आयु में अपने मोहल्ले में बाल पुस्तकालय शुरू किया और बच्चों को निःशुल्क पढ़ाना प्रारंभ किया। उनकी यह पहल शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बनी। मुस्कान को इस कार्य के लिए नीति आयोग और मध्य प्रदेश सरकार सहित कई प्रतिष्ठित सम्मान भी प्राप्त हुए हैं।'किताबी मस्ती' को इससे पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में सम्मान मिल चुका है। विजय बोडखे और उनकी टीम की फिल्मों का उद्देश्य हमेशा सामाजिक जागरूकता और परिवर्तन का संदेश देना रहा है। विभाग के शिक्षकों पवित्र श्रीवास्तव, गजेंद्र सिंह अवासीय, भानु मित्रा, प्रकाश मिश्रा और अंकिता त्रिपाठी के निर्देशन और सानिध्य में इस फिल्म का निर्माण संभव हो सका।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'RASHTRIYA HINDIMAIL'13 SEPTEMBER.2025

आयोजन

एमसीयू के विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा किया गया कार्यशाला का आयोजन

लिंक्डइन आधुनिक जनसंपर्क का सशक्त उपकरण : तनुष्का सिंह

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

आज के डिजिटल युग में जनसंपर्क केवल सूचना साझा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह धारणा निर्माण, निवेशकों के साथ बेहतर संबंध तथा व्यक्तिगत ब्रांडिंग का एक अहम साधन बन चुका है। पीआर केवल मीडिया कवरेज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विभिन्न टूल्स के माध्यम से एक संगठन, प्रोडक्ट या व्यक्ति की सकारात्मक छवि गढने का प्रयास है। किसी भी ब्रांड या संगठन की साख, उसकी विश्वसनीयता को स्थापित करने में लिंक्डइन जैसे नेटवर्क की भूमिका बहुत अहम है। एमसीयू के विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग में लिंक्डइन एज ए टूल ऑफ पीआर, विषय पर आयोजित एक विशेष कार्यशाला में एडीजी क्राफ्ट कम्युनिकेशन, नोएडा की सीनियर लिंक्डइन कंटेंट स्ट्रेटिजिस्ट तनुष्का सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा। उन्होंने जनसंपर्क की अवधारणा को समझाते हुए कहा कि लिंक्डइन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पेशेवर नेटवर्किंग के जरिए स्थायी और सार्थक संबंध स्थापित किए जा सकते हैं।

निवेशकों को सही जानकारी देने में लिंक्डइरन अहम मंच

निवेशकों तक सटीक और पारदर्शी जानकारी पहुँचाने में लिंक्डइन एक अहम मंच है। कॉर्पोरेट जगत और व्यक्तिगत स्तर पर विश्वसनीय पहचान बनाने का यह अनूठा साधन है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लिंक्डइन प्रोफाइल को केवल रिज़्यूमे के रूप में नहीं बल्कि स्वयं के ब्रांड के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा किलिंक्डइन केवल नौकरी खोजने का प्लेटफ़ॉर्म नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा पीआर टूल है जो व्यक्ति और संगठन दोनों के लिए ब्रांड निर्माण, निवेशक संबंध और धारणा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कार्यशाला के प्रतिभागियों को लिंक्डइन अकाउंट को बेहतर बनाने के टिप्स भी दिए।

लिंक्डइन के माध्यम से छात्रों को मिल सकते है रोजगार के अवसर

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पवित्र श्रीवास्तव ने बताया कि लिंक्डइन अकादमिक संस्थानों को उद्योग जगत से जोडने का एक सशक्त मंच है। छात्र इसके माध्यम से इंटर्नशिप ट्रेनिंग और रोजगार के विभिन्न अवसरों को प्राप्त कर सकते हैं। लिंक्डइन व्यावसायिक जगत में काफी उपयोगी बनता जा रहा है और सशक्त जनसम्पर्क एक माध्यम बन गया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जया सुरजानी ने किया। इस आयोजन में विभागाध्यक्ष विज्ञापन एवं जनसम्पर्क विभाग प्रो. पवित्र श्रीवास्तव, एडजंक्ट प्रोफेसर स्मृति जोशी, डॉ. गजेंद्र अवास्या, डॉ. जया सुरजानी, डॉ.निकिता चौहान तुषार भोंसले, नेहा मौर्य, सागर सेन, शुभम कुशवाह, सोनाली राय एवं विज्ञापन एवं जनसम्पर्क विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन डॉ. दीपिका सक्सेना ने किया।

कंप्यूटर विज्ञान में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता विषय पर हुई विशेष संगोष्ठी

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में आज शोध आयाम (मध्य भारत प्रांत, प्रज्ञा प्रवाह) के तत्वावधान में कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता विषय पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वरिष्ठ संकाय सदस्य एवं दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र की पूर्व निदेशक डॉ. माया इंगले ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

वक्ताओं ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में भारत क्यों आगे है

भारत केवल अध्यात्म ही नहीं गणित, चिकित्सा और खगोल विज्ञान में भी आगे है डॉ. इंगले ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अध्यात्म या दर्शन तक सीमित नहीं रही, बल्कि गणित, भाषाविज्ञान, तर्कशास्त्र, चिकित्सा एवं खगोल विज्ञान जैसे विविध क्षेत्रों में भी उसका अमूल्य योगदान रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि पाणिनी की अष्टाध्यायी आधुनिक कम्पाइलर डिज़ाइन और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण की आधारशिला है। पिंगलाचार्य का छंद सूत्र बाइनरी संख्याओं और एल्गोरिद्म की प्रारंभिक अवधारणाओं को प्रस्तुत करता है। महावीर और भास्कराचार्य जैसे गणितज्ञों के सूत्र आज भी क्रमचय-संचय और प्रायिकता सिद्धांत में उपयोगी हैं। वैदिक गणित उच्च गति वाले गणनात्मक कार्यों, क्रिप्टोग्राफी और एल्गोरिद्म डिजाइन में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ द्वारा प्रतिपादित 16 सूत्र और उपसूत्र आज की डिजिटल दुनिया में नए आयाम खोलते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसंधान के हर स्तर पर समाहित करने का बल देती है कार्यक्रम में यह रेखांकित किया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय ज्ञान प्रणाली को शिक्षा और अनुसंधान के हर स्तर पर समाहित करने पर विशेष बल देती है। भारतीय परंपरा, जो ज्ञान (ज्ञान), प्रज्ञा (बुद्धिमत्ता) और सत्य (सत्य की खोज) को सर्वोच्च मानती है, आज भी शोध और नवाचार की प्रेरणा है। संगोष्ठी में उपस्थित विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं प्राध्यापकों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को स्वर्ण भंडार बताते हुए इसे आधुनिक शिक्षा और शोध में पुन: स्थापित करने का संकल्प लिया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'13 SEPTEMBER.2025

एमसीयू में लिंक्डइन एज ए टूल ऑफ पीआर, विषय पर हुई चर्चा

लिंक्डइन आधुनिक जनसंपर्क का सशक्त उपकरण : तनुष्का सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आज के डिजिटल युग में जनसंपर्क केवल सूचना साझा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह धारणा निर्माण, निवेशकों के साथ बेहतर संबंध तथा व्यक्तिगत ब्रांडिंग का एक अहम साधन बन चुका है।

पीआर केवल मीडिया कवरेज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विभिन्न टूल्स के माध्यम से एक संगठन, प्रोडक्ट या व्यक्ति की सकारात्मक छवि गढ़ने का प्रयास है। किसी भी ब्रांड या संगठन की साख, उसकी विश्वसनीयता को स्थापित करने में लिंक्डइन जैसे नेटवर्क की भूमिका बहुत अहम है। यह बात एडीजी क्राफ्ट कम्युनिकेशन, नोएडा की सीनियर लिंक्डइन कंटेंट स्ट्रैटिजिस्ट तनुष्का सिंह ने कही। एमसीयू के विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग में लिंक्डइन एज ए टूल ऑफ पीआर, विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तनुष्का सिंह ने जनसंपर्क की अवधारणा

को समझाते हुए कहा कि पेशेवर नेटवर्किंग के जरिए स्थायी और सार्थक संबंध स्थापित किए जा सकते हैं।

निवेशकों तक सटीक और पारदर्शी जानकारी पहुंचाने में लिंक्डइन एक अहम मंच है। कॉर्पोरेट जगत और व्यक्तिगत स्तर पर विश्वसनीय पहचान बनाने का यह अनूठा साधन है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लिंक्डइन प्रोफाइल को केवल रिज्यूमे के रूप में नहीं बल्कि स्वयं के ब्रांड के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।

उद्योग जगत से जोड़ने का एक मजबूत मंच

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पवित्र श्रीवास्तव ने बताया कि लिंक्डइन अकादमिक संस्थानों को उद्योग जगत से जोड़ने का एक सशक्त मंच है। छात्र इसके माध्यम से इंटर्नशिप ट्रेनिंग और रोजगार के विभिन्न अवसरों को प्राप्त कर सकते हैं। लिंक्डइन व्यावसायिक जगत में काफी उपयोगी बनता जा रहा है और सशक्त जनसम्पर्क एक माध्यम बन गया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जया सुरजानी ने किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'13 SEPTEMBER.2025

भोपाल के विजय बोडखे की फिल्म ने जीता सर्वश्रेष्ठ फिल्म का सम्मान

फेस्ट 5 अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 69 देशों की 550 फिल्मों में से विनर बनीं 'किताबी मस्ती'

भोपाल की स्लम में रहने वाली मुस्कान की सच्ची कहानी पर आधारित फिल्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि के सिनेमा स्टडीज विभाग के छात्र और युवा फिल्मकार विजय बोडखे की फिल्म 'किताबी मस्ती' ने कोलकाता में आयोजित फेस्ट 5 अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव बेस्ट फिल्म इन बिबलियोग्राफी का पुरस्कार प्राप्त किया। इस महोत्सव में 69 देशों की 550 फिल्मों में से केवल 30 फिल्मों का चयन प्रदर्शन के लिए किया गया था। फिल्म का निर्देशन विजय बोडखे ने अपने साथियों के साथ मिलकर किया। इसमें दिव्यांशी बुंदेला ने एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में योगदान दिया, जबकि हर्ष थोराट,

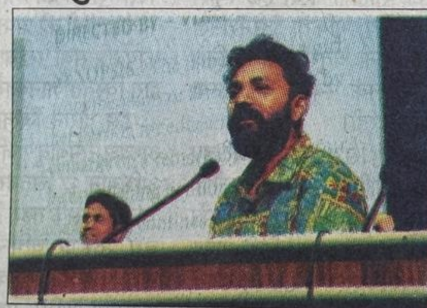

आयुष चतुर्वेदी, दीपेश पालीवाल, प्रकाश कटारे और अंशुल यावले ने कैमरामैन के रूप में कार्य किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'13 SEPTEMBER.2025

माखनलाल पत्रकारिता विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस का उत्सव

हिंदी राष्ट्रीय सौहार्द्र की भाषा, राष्ट्रीय एकता की सबसे अच्छी कड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हिंदी सौहार्द्र की भाषा है। यह राष्ट्रीय एकता की सबसे अच्छी कड़ी बन सकती है। यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में हिंदी दिवस की उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने एक स्वर से कही। हिंदी दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों द्वारा हिंदी भाषा के महत्व पर विचार प्रस्तुत करने से हुई। विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी कविताओं, लघु कथाओं और शोध पत्रों के माध्यम से हिंदी की संवेदनशीलता, विविधता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उत्सव के दौरान प्रस्तुत किए गए रचनात्मक योगदानों ने न केवल भाषा के सौंदर्य को उजागर किया बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकारों को भी सामने रखा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा सृष्टि कुमारी का हिंदी पर विशेष शोध, जिसमें उन्होंने हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर सारगर्भित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

छात्रों ने कविता से श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया

सत्यम मिश्रा ने पाश्चात्यीकरण के संदर्भ में सिंहासन खाली करो कि जनता आती है पर आधारित अपनी कविता से श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उद्यांश पांडेय ने हिंदी की सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक भूमिका पर विशेष उद्बोधन देते हुए विद्यार्थियों को मातृभाषा के महत्व से अवगत कराया। इस आयोजन में छात्रों की सक्रिय भागीदारी और प्रस्तुतियों ने यह सिद्ध कर दिया कि नई पीढ़ी हिंदी भाषा को न केवल आत्मसात कर रही है, बल्कि उसे और समृद्ध बनाने का भी संकल्प ले रही है। उत्सव का वातावरण पूरे समय उत्साह और सृजनात्मक ऊर्जा से भरा रहा। हिंदी दिवस का यह आयोजन विभाग के लिए एक यादगार क्षण साबित हुआ, जिसने विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों को भाषा की गरिमा और महत्व के प्रति पुनः प्रेरित किया। इस अवसर पर विभाग की अध्यक्ष डॉ. राखी तिवारी, प्रोफेसर शिवकुमार विवेक सहित सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'13 SEPTEMBER.2025

भोपाल सिटी भास्कर 13-09-2025

से रात 10 बजे तक है।

नीति 2020 पर व्याख्यान व संवाद सत्र होगा।

रिज्यूमे नहीं, ब्रांड जैसी बनाएं लिंक्डइन प्रोफाइल

सिटी रिपोर्टर • माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) के विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग में शुक्रवार को 'लिंकडइन एज ए टूल ऑफ पीआर' विषय पर विशेष कार्यशाला हुई। इसमें एडीजी क्राफ्ट कम्युनिकेशन, नोएडा की सीनियर लिंकडइन कंटेंट स्ट्रेटिजिस्ट तनुष्का सिंह ने कहा कि आज के डिजिटल युग में जनसंपर्क केवल सूचना साझा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि धारणा निर्माण, निवेशक संबंध और व्यक्तिगत ब्रांडिंग का बड़ा माध्यम बन चुका है।

विश्वसनीय पहचान गढ़ने का अनूठा साधन

तनुष्का ने कहा कि लिंक्डइन सिर्फ नौकरी खोजने का प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि संगठन व व्यक्ति की विश्वसनीय पहचान गढ़ने का अनूठा साधन है। लिंक्डइन प्रोफाइल को रिज्यूमे न मानकर व्यक्तिगत ब्रांड के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए। विभागाध्यक्ष प्रो. पवित्र श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। इधर, एमसीयू के ही मीडिया प्रबंधन विभाग में विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इसमें रोटरी क्लब ऑर्गनाइजेशन के धीरन दत्ता ने छात्रों को मार्गदर्शन दिया।

दैनिक भास्कर भोपाल 13-09-2025

'भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अध्यात्म तक सीमित नहीं'

भोपाल| माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय में शुक्रवार को कंप्यूटर विज्ञान में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता पर संगोष्ठी हुई। इसे शोध आयाम (मध्य भारत प्रांत, प्रज्ञा प्रवाह) ने आयोजित किया। मुख्य वक्ता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर की डॉ. माया इंगले ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा अध्यात्म तक सीमित नहीं है। गणित, चिकित्सा, तर्कशास्त्र, भाषाविज्ञान और खगोल विज्ञान तक फैली है। पाणिनी की अष्टाध्यायी कम्पाइलर डिजाइन और भाषा प्रसंस्करण का आधार है। पिंगलाचार्य का छंदसूत्र बाइनरी नंबर की नींव है। वैदिक गणित तेज गणना और एल्गोरिद्म में सहायक है। एनईपी-2020 शिक्षा में भारतीय ज्ञान को समाहित करने पर जोर देती है। छात्रों और शिक्षकों ने इसे "स्वर्ण भंडार" मानकर आधुनिक शिक्षा में अपनाने का संकल्प लिया।